M. A. (Previous) Examination

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

Paper –MASA - 06

Section –C

(Long answer questions)

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न

Note:Each answer should not exceed 800 words.

नोट : आप अपने उत्तर को अधिकतम800 शब्दों में परिसीमित कीजिये।

1. उत्तररामचरित के प्रमुख पात्रों का वर्णन कीजिये।

2. रत्नावली की कथावस्तु का मूलस्त्रोत तथा उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

OR (अथवा)

नायक के कितने भेद हैं? विस्तृत विवेचन कीजिये।

3. श्री शङ्कुक के रस सम्बन्धी मत की व्याख्या कीजिये।

OR (अथवा)

अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद पर टिप्पणी कीजिये।

4. वासवदत्ता तथा सागरिका का चरित्र चित्रण कीजिये।

OR (अथवा)

उत्तररामचरितम् के अङ्कों के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिये।?

5. मुखसन्धि का अङ्गों सहित वर्णन कीजिए।

OR (अथवा)

प्रतिमुखसन्धि का अङ्गों सहित वर्णन कीजिए।

6. दशरूपकम् के अनुसार नायिका के सामान्य तथा अवस्थागत भेदों का वर्णन कीजिये।

OR (अथवा)

दशरूपक के अनुसार नायक की वृत्तियों तथा प्रवृत्तियों को समझाइये।

7. उत्तररामचरितम् के नाटकीय वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिये ?

OR (अथवा)

"उत्तररामचरितम् में प्रधान रस करुण रस है" सिद्ध कीजिये।

8. दशरूपक के अनुसार नेता की व्याख्या कीजिये।

OR (अथवा)

भट्टनायक का रस सिद्धान्त विस्तारपूर्वक समझाइये?

9. नाट्यशास्त्र के अनुसार रस के प्रकार एवं रस के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

OR (अथवा)

नाटक में कितने प्रकार की सन्धियाँ होती हैं ? विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिये।

10. रत्नावली का मूल स्त्रोत का प्रभाव और उसमें किये गये परिवर्तनों का उल्लेख कीजिये ?

OR (अथवा)

रत्नावली के पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिये।

11. "एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद्विन्नः पृथक्पृथगिवाश्रयते विवर्तान्...." इस उद्धरण की व्याख्या सप्रसंग करिये।

12. नाटक की लक्षण सहित व्याख्या कीजिये?

OR (अथवा)

प्रहसन की लक्षण सहित व्याख्या कीजिये?

12. रत्नावली की कथावस्तु पर विशद प्रकाश डालिये ?

OR (अथवा)

वृत्ति किसे कहते है और कितने प्रकार की होती हैं ?

13. दशरूपक के अनुसार रस के प्रकार एवं रस के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

OR (अथवा)

भट्टलोल्लट का रस विषयक सिद्धान्त समझाइये।

14. नाट्यशास्त्र की दृष्टि से रत्नावली का विश्लेषण कीजिये।

OR (अथवा)

रत्नावली के प्रमुख पात्रों का वर्णन कीजिये ?